

# KANYASHREE UNIVERSITY

M.A. 3<sup>rd</sup> Semester Examination-2024

Subject: Sanskrit

Course- CC-14

Veda & Upaniṣad

Full Marks-40

Time-2.00 Hours

## GROUP - A

(Answer **any four** of the following )

(5×4=20)

(যে কোনো চারটি)

It is mandatory to write **any one** in Devanāgarī script and Sanskrit language.

(যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে বাধ্যতা মূলক।)

1. Explain it.

प्रतिबोधविदितं मतममृतत्वं हि विन्दते ।

आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम् ॥

ব্যাখ্যা কর-

प्रतिबोधविदितं मतममृतत्वं हि विन्दते ।

आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम् ॥

2. According to *R̥gvedabhāṣyabhūmikā*, what is *Parisamkhyā*? Explain.

ऋग्वেদভাষ্যভূমিকানুসারে পরিসংখ্যা ব্যাখ্যা করো।

3. Write a short note on śikṣā.

संक्षिप्तं टीका लेखः शिक्षा

4. What is another name of Kēnōpaniṣad? Explain the Sāma-veda śāntimantra? What is the student's first question?

केनोपनिषदের অপর নাম কী? সামবেদের শান্তি মন্ত্রটি ব্যাখ্যা কর? শিষ্যের প্রথম প্রশ্ন কী ছিল?

5. What is needed as foundation and limbs to support self-knowledge in a seeker?

একজন অশেষকের ব্রাহ্ম জ্ঞানকে সমর্থন করার জন্য ভিত্তি এবং অঙ্গ হিসাবে কী প্রয়োজন?

6. Explain –

श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद् वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः ।

चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लোकादमृता भवन्ति ॥

ব্যাখ্যা কর :

श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद् वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः ।

चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लোकादमृता भवन्ति ॥

7. Explain –

कर्मचोदना ब्राह्मणानि, ब्राह्मणशोषोऽर्थवादः ।

ब्याख्या कर :

कर्मचोदना ब्राह्मणानि, ब्राह्मणशोषोऽर्थवादः ।

**GROUP – B**

(Answer **any two** of the following) (10× 2=20)

(যেকোনো দুটি)

It is mandatory to write **any one** in Devanāgarī script and Sanskrit language.

(যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে বাধ্যতা মূলক।)

1. Who is Yakṣa? Explain the story of deva and Yakṣa from *Kēnōpaniṣad*?

যক্ষ কে? কেনোপনিষদে উক্ত দেবতা ও যক্ষের উপাখ্যানটি বর্ণনা কর?

2. What is the importance of the *Kēnōpaniṣad*?

কেনোপনিষদের গুরুত্ব বিশ্লেষণ কর?

3. Why Yajurveda has been explained before Ṛgveda in *Ṛgvēdabhāṣyopakramaṇikā*.

ঋগ্বেদের পূর্বে যজুর্বেদের ব্যাখ্যা কেন করা হয়েছে তা ঋগ্বেদভাষ্যভূমিকানুসারে ব্যাখ্যা করো।

4. Discuss, according to সায়ণ, the লক্ষণ (Definition) and প্রমাণ (Evidence) of বেদ.

সায়ণাচার্যের মত অনুসারে বেদের লক্ষণ প্রমাণ বিচার কর।

\*\*\*\*\*